नईदुनिया

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में लगातार भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 1,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बढ़ोतरी हो गई है।

भाव में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,55,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,55,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। 24 कैरेट सोना 1,55,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अगस्त में महंगी हुई घरेलू थाली, प्याज, तेल और रसोई गैस ने बढ़ाया बोझ, शाकाहारी थाली एक फीसदी तो मांसाहारी थाली पांच फीसदी महंगी हुई

मुंबई। अगस्त महीने में घरों में बनने वाले भोजन की लागत में वृद्धि दर्ज की गई है। क्रिसिल इंटेलिजेंस द्वारा जारी नवीनतम मासिक रिपोर्ट के अनुसार, सालाना आधार पर शाकाहारी थाली की कीमत एक प्रतिशत बढ़कर 29.5 रुपये हो गई, जबकि मांसाहारी थाली पांच प्रतिशत महंगी होकर 57.5 रुपये पर पहुंच गई। रिपोर्ट बताती है कि प्याज, खाद्य तेल, चावल और रसोई गैस (एलपीजी) की ऊंची कीमतों ने थाली की लागत को ऊपर धकेला। प्याज की कीमत सालाना आधार पर 43 प्रतिशत बढ़कर 40 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जिसका मुख्य कारण महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश से आपूर्ति का प्रभावित होना रहा। खाद्य तेल में 11 प्रतिशत और एलपीजी में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, आलू की कीमत 12 प्रतिशत और टमाटर की कीमत 28 प्रतिशत घटने से कुल बढ़ोतरी सीमित रही। मुर्गे के मांस की कीमत में 10 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के कारण मांसाहारी थाली महंगी हुई। मासिक आधार पर, अगस्त में प्याज की कीमत 17 प्रतिशत बढ़ी, जबकि टमाटर सात प्रतिशत सस्ता हुआ। श्रावण माह के कारण मुर्गे के मांस की कीमत में चार प्रतिशत की मासिक गिरावट आई, जिससे जुलाई की तुलना में अगस्त में मांसाहारी थाली की लागत एक प्रतिशत कम रही। क्रिसिल इंटेलिजेंस के एक अधिकारी के अनुसार रबी फसल की कम आपूर्ति और खरीफ फसल की आवक में देरी के कारण अगले दो-तीन महीनों तक प्याज की कीमतें ऊंची बनी रहने का अनुमान है।

सहारा रिफंड पोर्टल फिर सक्रिय, लाखों निवेशकों को राहत, केंद्र सरकार ने 20 लाख लंबित दावों के निपटारे हेतु पोर्टल दोबारा शुरू किया

नई दिल्ली। सहारा समूह की सहकारी समितियों में फंसे पैसे का इंतजार कर रहे लाखों निवेशकों के लिए राहत भरी खबर है। केंद्र सरकार ने सहारा रिफंड पोर्टल को दोबारा शुरू किया है, जिससे करीब 20 लाख लंबित दावों की जांच और भुगतान प्रक्रिया तेज होगी। सहकारिता मंत्रालय के अनुसार, अब तक 42 लाख जमाकर्ताओं को 9,267 करोड़ रुपये सीधे आधार-संबद्ध बैंक खातों में लौटाए जा चुके हैं। पहले सहारा समूह की सहकारी समितियों को सूचना प्रौद्योगिकी और प्रशासनिक चुनौतियों के कारण दावों के निपटान में बाधाएं आ रही थीं। सहकारिता मंत्रालय के सक्रिय हस्तक्षेप से अब इन रुकावटों को दूर किया गया है, जिससे शेष पात्र जमाकर्ताओं के दावों पर सुचारू रूप से काम शुरू हो पाएगा। यह पोर्टल सहारा क्रेडिट कोआपरेटिव सोसाइटी, सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी, हमारा इंडिया क्रेडिट कोआपरेटिव सोसाइटी और स्टार्स मल्टीपर्पज कोआपरेटिव सोसाइटी जैसी चार समितियों के जमाकर्ताओं को पैसा लौटाने के लिए है। जुलाई 2023 में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर शुरू हुई यह आनलाइन और कागज रहित प्रक्रिया आधार पहचान, सदस्यता विवरण के मिलान और बैंक खाते के सत्यापन के बाद ही भुगतान सुनिश्चित करती है।

एडवेंचर बाइक हिमालयन 440 लान्च, कीमत है 2.29 लाख से शुरू

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में रायल एनफील्ड ने अपनी एडवेंचर बाइक हिमालयन 440 को लान्च कर दिया है। यह बाइक कंपनी की ओरिजिनल हिमालयन के रफ-एंड-टफ डीएनए को बरकरार रखती है। स्क्रैम 440 के प्लेटफार्म पर तैयार की गई इस बाइक को मस्कुलर डिजाइन, आधुनिक फीचर्स और आफ-रोड क्षमता के साथ पेश किया गया हैं। हिमालयन 440 में 443 सीसी का सिंगल-सिलेंडर, एयर-आयल-कूल्ड इंजन दिया गया है। यह 6,250 आरपीएम पर 25.4 पीएस की अधिकतम पावर और 4,000 आरपीएम पर 34 एनएम का पीक टार्क पैदा करता है। कंपनी ने इंजन को ज्यादा टाप स्पीड के बजाय लो-एंड और मिड-रेंज टार्क के लिए ट्यून किया है, जिससे पथरीले रास्तों, चढ़ाई और कीचड़ भरे ट्रैक पर बेहतर प्रदर्शन मिलने की उम्मीद है।

कच्चे तेल के दाम में भारी उछाल ब्रेंट क्रूड लगभग 100 डालर

अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई भी 94 डालर प्रति बैरल के पार

नई दिल्ली

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को एक बार फिर जोरदार उछाल दर्ज किया गया, जिससे ब्रेंट क्रूड 100 डालर प्रति बैरल के बेहद करीब पहुंच गया है। अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई भी 94 डालर प्रति बैरल का आंकड़ा पार कर गया है। इस तेजी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ता तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति में संभावित रुकावट का डर है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, नवंबर डिलीवरी वाला ब्रेंट क्रूड 1.43 फीसदी चढ़कर 99.32 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि कारोबार के दौरान यह 99.66 डालर तक भी गया। इसी तरह, अक्टूबर डिलीवरी वाला डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.34 फीसदी की तेजी के साथ 94.28 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जो 94.78 डालर तक पहुंचा। इस अचानक तेजी के पीछे पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात और सऊदी अरब के कुछ ऊर्जा ठिकानों पर हुए हमले सबसे बड़ी वजह हैं। इससे दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादकों में से एक सऊदी अरब से तेल आपूर्ति बाधित होने का डर बढ़ गया है। तेल बाजार की दूसरी बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य है, जो वैश्विक तेल व्यापार का एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव से तेल की आवाजाही प्रभावित होने की आशंका है, जिससे आपूर्ति में कमी का डर और गहरा गया है। ब्रेंट क्रूड अब 100 डालर के मनोवैज्ञानिक स्तर के बेहद करीब है, लेकिन यह कहना जल्दबाजी होगी कि कीमतें लगातार बढ़ती ही रहेंगी। खाड़ी देशों द्वारा वैकल्पिक मार्गों की तलाश और चीन की मांग में संभावित कमी जैसी बातें कीमतों की तेजी पर कुछ लगाम लगा सकती हैं। हालांकि, फिलहाल आपूर्ति संबंधी चिंताएं हावी हैं। भारत के लिए यह स्थिति चिंताजनक है क्योंकि वह अपनी अधिकांश कच्चे तेल की जरूरत आयात से पूरी करता है। 100 डालर के आसपास बनी रहने वाली कच्चे तेल की कीमतें भारत के लिए आयात बिल बढ़ाएंगी, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ सकता है और देश में महंगाई बढ़ने की आशंका भी प्रबल होगी। विमानन, पेंट, टायर और रसायन जैसे उद्योगों पर उत्पादन लागत बढ़ने का सीधा असर होगा।

मारुति सुजुकी अपनी पहली 7-सीटर इलेक्ट्रिक एमपीवी लाने की तैयारी में

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी अगले तीन सालों में नौ नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करने की योजना बना रही है। इन कारों में से सात एसयूवी मॉडल होंगे। बलेनो का नया अवतार पेश करने के ठीक बाद, मारुति अपनी पहली 7-सीटर इलेक्ट्रिक एमपीवी (कोडनेम वाईएमसी) लाने वाली है। यह मॉडल साल 2026 के अंत तक दुनिया के सामने पेश किया जा सकता है और यह 2027 की शुरुआत में सड़कों पर दौड़ती नजर आएगी। यह कदम इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में मारुति की बड़ी पहचान बनाने के इरादे से उठाया गया है। कंपनी इस नई 7-सीटर इलेक्ट्रिक फैमिली कार को बेहद प्रतिस्पर्धी और बजट-अनुकूल कीमत पर लाने की तैयारी में है, जिसका लक्ष्य व्यापक ग्राहक वर्ग को आकर्षित करना है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इसके बेस मॉडल की शुरुआती कीमत लगभग 14 लाख रुपये और टॉप मॉडल की कीमत 18 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक हो सकती है, जो 7-सीटर ईवी के लिए एक बड़ी बात है। यह कार अपनी ही कंपनी की ई-विटारा वाले प्लेटफॉर्म और तकनीक का उपयोग करेगी। ई-विटारा में 49 केडब्ल्यूएच और 61केडब्ल्यूएच के दो बैटरी पैक मिलते हैं, जो एक बार फुल चार्ज होने पर करीब 543 किलोमीटर तक की ड्राइविंग रेंज देते हैं। हालांकि, वाईएमसी का आकार और ऊंचाई थोड़ी अधिक होने के कारण इसकी रेंज ई-विटारा से हल्की कम, लेकिन 500 किलोमीटर से अधिक होने की उम्मीद है। डिजाइन की बात करें तो, लीक हुई तस्वीरों से पता चलता है कि इस 7-सीटर कार का लुक बॉक्सी और ऊंचा होगा, जो केबिन में शानदार स्पेस देगा। इसका फ्रंट बंपर और एयरो-डायनामिक अलॉय व्हील्स ई-विटारा से प्रेरित दिखते हैं, जबकि पीछे की तरफ अर्टिगा जैसी ऊर्ध्वाधर टेललाइट्स मिलेंगी।

रक्षा क्षेत्र में 1.1 लाख करोड़ की खरीद को मंजूरी, 98 फीसदी घरेलू कंपनियों के लिए

स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा; तीनों सेनाओं के लिए उपकरण और तकनीक का होगा निर्माण

नई दिल्ली

भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने थल सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए लगभग 1.1 लाख करोड़ रुपए की रक्षा खरीद को प्रारंभिक मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण निर्णय की खासियत यह है कि इस खरीद का लगभग 98 फीसदी हिस्सा भारतीय कंपनियों के लिए आरक्षित किया गया है, जिससे घरेलू रक्षा उद्योग को एक अभूतपूर्व बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह निर्णय बीईएल, एचएएल सहित कई सरकारी और निजी रक्षा कंपनियों के लिए आने वाले समय में बड़े आर्डर के रास्ते खोलेगा।

ब्रोकरेज फर्मों का मानना है कि चालू वित्त वर्ष में अब तक रक्षा खरीद परिषद ने 1.62 लाख करोड़ के प्रस्तावों को मंजूरी दी है, और हाल के वर्षों में कुल 13 लाख करोड़ की खरीद को हरी झंडी मिली है, जो घरेलू रक्षा कंपनियों के लिए कारोबार के विशाल अवसरों का संकेत है। इस खरीद में तीनों सेनाओं के लिए महत्वपूर्ण उपकरण शामिल हैं। थल सेना के लिए जहरीली गैस, रसायन या परमाणु हमलों से प्रभावित इलाकों का पता लगाने वाले विशेष वाहन, मुश्किल रास्तों पर चलने में सक्षम सैन्य वाहन, बारूदी सुरंग बिछाने वाली मशीनें और हल्के हेलीकाप्टर खरीदे जाएंगे। साथ ही, टैंकों के लिए रास्ता साफ करने वाले उपकरण और तेजी से पुल बनाने वाली प्रणाली भी शामिल है। नौसेना के लिए नए रडार खरीदे जाएंगे जो हवाई गतिविधियों पर नजर रखेंगे और पुराने हवाईअड्डा रडारों की जगह लेंगे।

इसके अलावा, युद्धपोतों के लिए गैस टर्बाइन का निर्माण देश में ही किया जाएगा, जिससे विदेशी निर्भरता कम होगी। वायु सेना के लिए लड़ाकू विमानों, परिवहन विमानों और हेलीकाप्टरों की क्षमता बढ़ाने हेतु नई खरीद को मंजूरी मिली है।

गणेशोत्सव 2026: कोंकण यात्रियों को टोलमाफी का तोहफा

मुंबई। गणेशोत्सव 2026 के अवसर पर कोंकण स्थित अपने गांव जाने वाले लाखों गणेश भक्तों के लिए महाराष्ट्र सरकार ने एक बड़ी राहत की घोषणा की है। राज्य सरकार ने 11 सितंबर से 27 सितंबर 2026 तक कोंकण की ओर जाने वाले गणेश भक्तों के वाहनों को टोल माफी देने का फैसला किया है। लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्र सिंह राजे भोंसले ने इसकी जानकारी दी। यह छूट मुंबई-बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग-48, मुंबई-गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग-66 सहित लोक निर्माण विभाग और महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) के अंतर्गत आने वाले कोंकण मार्गों पर लागू होगी। नगर विकास विभाग के अधीन अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी-न्हावा शेवा अटल सेतु से कोंकण जाने वाले वाहनों को भी यह लाभ मिलेगा। सरकार का उद्देश्य है कि इससे श्रद्धालुओं पर यात्रा का अतिरिक्त आर्थिक बोझ कम हो और उनकी यात्रा सुगम बने। टोलमाफी का लाभ लेने के लिए गणेशोत्सव 2026 कोंकण दर्शन लिखे विशेष स्टिकर या पास जारी किए जाएंगे, जिन पर वाहन नंबर और चालक का नाम दर्ज होगा। ये पास पुलिस स्टेशनों, यातायात चौकियों और आरटीओ कार्यालयों सहित अन्य निर्धारित स्थानों पर उपलब्ध होंगे और वापसी में भी मान्य रहेंगे।

सरकार की 25,000 करोड़ की निर्यात प्रोत्साहन योजना पर संकट

कई योजनाओं को नहीं मिल रही पर्याप्त प्रतिक्रिया

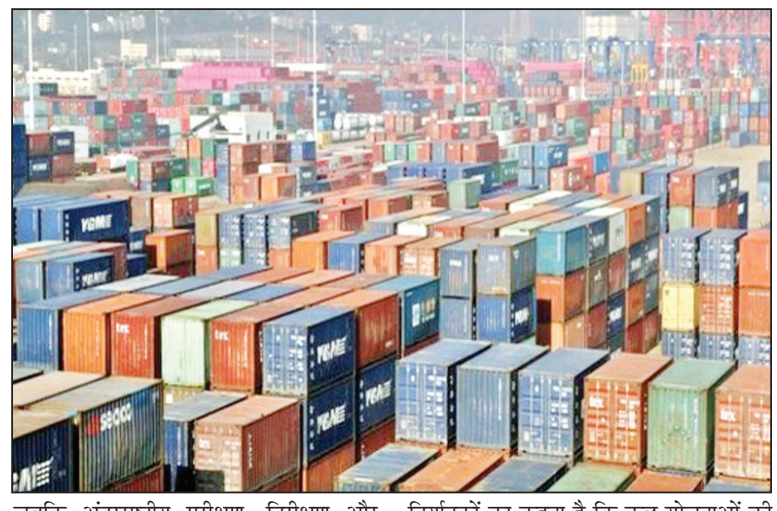

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित 25,000 करोड़ रुपये के महत्वाकांक्षी निर्यात प्रोत्साहन मिशन (ईपीएम) को निर्यातकों से सीमित प्रतिक्रिया मिलने के बाद सरकार अब इसकी समीक्षा करने की तैयारी में है। फरवरी में औपचारिक रूप से लागू की गई इस पंचवर्षीय योजना (वित्त वर्ष 2031 तक) की अधिकांश योजनाएं निर्यातकों को लुभाने में विफल रही हैं, जिससे अधिकारियों को चिंता हो रही है। जानकारी के अनुसार ईपीएम के तहत कुल 11 योजनाओं में से केवल दो, शिपमेंट क्रेडिट पर ब्याज सब्सिडी और बाजार पहुंच सहायता को ही निर्यातकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। ये दोनों योजनाएं पिछले पांच वर्षों से अधिक समय से मौजूद हैं, जिसके कारण निर्यातक इनकी आवेदन प्रक्रिया से भली-भांति परिचित हैं।

फरवरी से अब तक करीब 10,000 निर्यातकों ने ब्याज सब्सिडी के लिए और लगभग 1,000 ने बाजार पहुंच सहायता के लिए आवेदन किया है। इसके विपरीत, बिना जमानत ऋण सहायता योजना को 150 से भी कम आवेदन मिले हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय परीक्षण, निरीक्षण और प्रमाणन के लिए वित्तीय सहायता योजना में पिछले छह महीनों में सिर्फ 100 आवेदन आए हैं। ई-कामर्स निर्यातकों के लिए ऋण सहायता और लाजिस्टिक सुगमता जैसी अन्य योजनाएं भी सीमित प्रतिक्रिया झेल रही हैं। सरकार अब निर्यात संवर्धन परिषदों की मदद से, विशेषकर छोटे निर्यातकों के बीच इन योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास कर रही है। हालांकि, निर्यातकों का कहना है कि कुछ योजनाओं की रूपरेखा ही ऐसी है कि उनका उपयोग सीमित हो जाता है।

उदाहरण के लिए, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुपालन में सहायता वाली योजना में फरवरी के बाद जारी किए गए बहुत कम प्रमाणपत्रों को ही शामिल किया गया है, जबकि निर्यातकों ने कम से कम 150 अतिरिक्त प्रमाणपत्रों को सूची में जोड़ने का अनुरोध किया है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स में भी फिलहाल कमजोरी बनी हुई है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और साफ्टवेयर कंपनियों के शेयर में हुई जबरदस्त बिकवाली के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के द्वारा लगातार दबाव का माहौल बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.18 प्रतिशत गिर कर 52,786.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.58 प्रतिशत फिसल कर 7,673.52 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 85.58 अंक यानी 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 26,421.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,760.87 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.10 प्रतिशत टूट कर 10,811.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,317.98 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 1.10 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 26,007.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। कोस्पी इंडेक्स 74.13 अंक यानी 1.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,028.65 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 239.63 अंक यानी 0.51 प्रतिशत उछल कर 47,345.41 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की छलांग लगा कर 3,949.89 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,624.39 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 139 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,574.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.65 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,729.81 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.38 प्रतिशत लुढ़ककर 6,660.89 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 0.09 प्रतिशत फिसल कर 25,294 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 0.05 प्रतिशत टूट कर 65,238 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।